1

दृष्टि The Vision

11 SEP 2019

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 7)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–**GS17**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: SUNIL

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number: AWAKE-1918-013

Center & Date: DELHI 10/09/19

UPSC Roll No. ***(If allotted)*****:** 7105724

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें ***बीस*** *प्रश्न हैं तथा* ***हिन्दी*** *और* ***अंग्रेज़ी*** *दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are ***TWENTY*** *questions printed both in* ***HINDI*** *and* ***ENGLISH****.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

1. हड़प्पा काल के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता और जीवंत कल्पनाएँ विद्यमान थीं। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The artists of the Harappan period had fine artistic sensibilities and vivid imaginations. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय उपमहाद्वीप की प्रथम नागरिय सभ्यता - हड़प्पा न केवल भौतिक, बल्कि सांस्कृतिक विकास के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यथा - मूर्तिकला, संगीतकला, ~~भ~~ लिपि आदि।

चित्रकला - प्रमुख साक्ष्य -

a. मृदभाण्डों पर उत्कीर्ण चित्र।
b. मुहरों से प्राप्त चित्र।
c. भित्तिचित्रकला के भी साक्ष्य।

विशेषताएँ -

a. कला में सौंदर्य व भावना का अद्भुत मिश्रण।
b. कला मात्र आजीविका का साधन नहीं, बल्कि भाव प्रकटन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के माध्यम के रूप में भी प्रयुक्त।
(iii) प्रकृति - मानव चित्रण द्वारा चित्रों को जीवंत रूप दिया जाना।
(iv) काले व लाल मृद्भाण्डों पर चित्रण कला के प्रति तकनीकी चमत्कार का द्योतक। यथा- पॉलिश किया जाना आदि।
(v) कला विशिष्ट वर्ग से संबंधित मात्र न होकर आमजन-जीवन से संबंधित। ~~अ~~ फलत: संवेदनशीलता की मात्रा अधिक।

इसी कारण इस काल के चित्र सभ्यता के विकास का ~~आधार~~ एक मुख्य तत्त्व बनते प्रतीत होते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख[ना] चाहिये।
(Candidate must no[t] write on this margi[n])

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. छठी शताब्दी के धार्मिक आंदोलन के फलस्वरूप भारत में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Jainism and Buddhism emerged in India in response to religious unrest in the 6th century. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

छठी शताब्दी ई.पू. के धार्मिक आंदोलन से तात्पर्य तत्कालीन धार्मिक-सामाजिक व्यवस्था के प्रति उपजे असंतोष से था।

कारण -

(i) धार्मिक : a. कर्मकाण्डों व आडंबरों का बढ़ना।
b. ब्राह्मणवादी वर्चस्व।
c आर्य-अनार्य विभेद।

(ii) ~~आर्थिक~~ ब्राह्मण धर्म द्वारा यज्ञ में पशुओं की बलि से नागरिकों पर पड़ता विपरीत प्रभाव।

(iii) रूढ़ि व वर्णों द्वारा सामाजिक-सांस्कृतिक गतिशीलता के प्रयासों को दमित किया जाना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

iv) धर्म के स्वरूप का जटिल होते जाना फलत: अंधविश्वासों की बढ़ती प्रवृत्ति

नए धर्मों की विशेषताएँ -

i) सभी को धार्मिक समानता

ii) धर्म में लिंग, जाति, वर्ग भेद का निषेध

iii) पूजा-पाठ की सरल पद्धति

iv) आध्यात्मिकता तथा भौतिकता के बीच समन्वय

v) धार्मिक-सामाजिक सुधारों पर बल

इसी परिप्रेक्ष्य में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए जिन्होंने धार्मिक विविधता के साथ पुराने धर्मों की रूढ़िवादिता को कम करने में भी योगदान दिया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. आतंकवादी राष्ट्रवाद के उद्‌भव की स्थितियाँ बंगाल विभाजन की घोषणा से पूर्व ही विकसित हो चुकी थीं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Conditions for the emergence of militant nationalism had already developed when the partition of Bengal was announced. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आतंकवादी राष्ट्रवाद = क्रांति के माध्यम से विदेशी सत्ता उखाड़ना तथा बलिदानी भावना प्रसारित करने की उग्र राष्ट्रवादी चेतना।

- बंगाल विभाजन (1905) तथा उसके पश्चात इससे गतिविधियाँ बढ़ी जैसे –
  - a. मुजफ्फरपुर के मजिस्ट्रेट की हत्या का असफल प्रयास।
  - b. लॉर्ड हार्डिंग पर बम फेंका जाना।
  - c. बंगाल में अनुशीलन समिति का गठन आदि।

बंगाल विभाजन से पूर्व आतंकी राष्ट्रवाद का उद्‌भव =

(1) कारण –
  a. क्रांतिकारी पत्र-पत्रिकाएँ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जैसे लिइया, ग्रांवला

b. उग्रवादी नेतृत्व जैसे बाल गंगाधर तिलक आदि।

c. कर्जन की नीतियाँ।

d. असफल होते उदारवादी
- यथा 1893 का भारत सरकार अधिनियम आदि।

(c) घटनाएँ
a. चापेकर बंधुओं द्वारा रैंड व आयर्स्ट की हत्या (1897)।
b. महाराष्ट्र में मित्र मेला व अभिनव भारत जैसे संगठनों का निर्माण।
c. राजस्थान में केसरी सिंह व प्रताप सिंह बारहठ की गतिविधियाँ।

वस्तुतः बंगाल विभाजन से पूर्व उपजे उग्र राष्ट्रवाद को विभाजन ने और गति व शक्ति प्रदान कर दी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत के डीप ओशन मिशन के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's Deep Ocean Mission. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान विकास व सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्थल के साथ जलीय, महासागरीय संसाधनों का महत्त्व भी निरंतर बढ़ता जा रहा है

डीप ओशन मिशन = ISRO, भारतीय मौसम विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग की संयुक्त पहल।

उद्देश्य -

a. समुद्री संसाधनों के बारे में पर्याप्त डाटा एकत्रण।

b. अभी तक अप्रयुक्त संभावनाओं का पता लगाना।

c. तकनीकी क्षमता विकसित करना यथा- गहराई में अन्वेषण।

d. जलवायु परिवर्तन प्रभावों का अध्ययन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गतिविधि -

a. लगभग 6000m गहराई तक पनडुब्बी को भेजा जाएगा।

b. इस हेतु ग्राम आदि के एक तंत्र का निर्माण किया जाएगा।

महत्व -

i) मैंगनीज नोड्यूल्स की खोज से सॉफ्टवेयर व हल्के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को गति मिलेगी। फलतः चीन पर निर्भरता में कमी।

ii) इस क्षेत्र में बढ़ती चीनी गतिविधियों पर अंकुश संभव।

iii) जीवाश्म ईंधन स्रोत के बारे में डाटा एकत्रण से 'ऊर्जा सुरक्षा' की तरफ कदम बढ़ेगा।

साथ ही समुद्री [illegible] संरचना की जानकारी, पड़ोसी देशों के साथ ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क विस्तार आदि में भी मददगार होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. भू-चुंबकत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव में हाल में हुए परिवर्तन/स्थानांतरण के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the concept of geomagnetism. Discuss the impact of recent shift in the Earth's magnetic north pole. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भू-चुंबकत्व = ~~संपूर्ण~~ संपूर्ण पृथ्वी का एक बड़े चुंबक की भाँति व्यवहार करना।

• इसमें भौगोलिक उत्तरी ध्रुव के निकट चुंबकीय दक्षिणी ध्रुव तथा भौगोलिक दक्षिणी ध्रुव के निकट चुंबकीय उत्तरी ध्रुव की स्थिति दृष्टिगोचर होती है।

• कारण = पृथ्वी के डायनेमो प्रभाव के कारण ~~उत्पन्न~~ उत्पन्न विद्युतीय धाराओं द्वारा एक क्षेत्र का निर्माण किया जाना।

पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव में हालिया परिवर्तन -

(i) चुंबकीय उत्तरी ध्रुव का सामान्य की अपेक्षा अधिक गति (लगभग 50 km प्रति वर्ष) की दर से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख[ना] चाहिये।
(Candidate must no[t] write on this margi[n])

कनाडा से साइबेरिया की तरफ स्थानांतरण।

(ii) कारण – a. पृथ्वी के कोर क्षेत्र में अप्रत्याशित परिवर्तन।

(iii) प्रभाव –

a. चुंबकीय क्षेत्र का प्रयोग कर प्रवास करने वाले पक्षियों पर नकारात्मक प्रभाव।

b. कंपास आदि यंत्रों द्वारा सही दिशा-ज्ञान करा पाने में असमर्थता होगी।

c. ~~स्मार्टफोन~~ उपग्रहों आदि में स्वतंत्र परमाणु घड़ी होने के कारण इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा।

दक्षिणी चुंबकीय ध्रुव के अपेक्षाकृत कम गति से स्थानांतरित होने के कारण यह परिवर्तन अप्रत्याशित प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। फलतः शोध की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. जेट प्रवाह (जेट स्ट्रीम) क्या हैं? ये भारत की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करती हैं? (150 शब्द) 10

What are Jet streams? How do they affect the climate of India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जेट प्रवाह - पृथ्वी की ऊपरी क्षोभ सीमा में होने वाला एक पवन प्रवाह। जिनमे ~~पवन~~ प्रवाह की मोटाई लगभग 3-4 km व चौड़ाई 100-150 km तक होती है।

• कारण - वैद्युती प्रभाव के कारण हेड्ले - फेरल चक्र तथा फेरल - पोलार चक्र बिंदुओं पर उत्पन्न।

प्रकार - a. ध्रुवीय पश्चिमी जेट प्रवाह = 35°-70° उत्तरी व दक्षिणी अक्षांश के बीच।

b. उपोष्ण कटिबंधीय पश्चिमी जेट प्रवाह = 10°-35° उत्तरी व दक्षिणी अक्षांश के बीच प्रवाह।

c. उष्ण कटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम = तिब्बत पठार गर्म

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

होने के कारण ग्रीष्म ऋतु में प्रभावी पूर्व - पश्चिम प्रवाह।

भारत की जलवायु पर प्रभाव -

(i) उष्ण कटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम द्वारा दक्षिण - पश्चिम मानसून को आकर्षित किया जाना फलतः भारत में मानसूनी वर्षा में एक महत्वपूर्ण कारक।

(ii) पश्चिमी जेट प्रवाह के हिमालय से टकराकर एक शाखा के भारत में प्रवेश करने से उत्तर भारत में पश्चिमी पवन विक्षोभ के कारण मावठ वर्षा होना।

(iii) कमजोर ध्रुवीय जेट स्ट्रीम के कारण कम वर्ष अमेरिका सहित भारत में शीतलहर बढ़ना।

वस्तुतः जेट स्ट्रीम वातावरणीय पवनों का भारी परिवर्तित का प्रभाव उत्पन्न करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. हिमनदों के पीछे हटने (हिमनद रिट्रीट) से आप क्या समझते हैं? हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने से भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by glacial retreat? Discuss the impact of retreating Himalayan glaciers on Indian subcontinent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिमनदों के पीछे हटने की घटना को हिमनद पिघलने तथा उनके आकार में लगातार हो रही कमी से संदर्भित किया जाता है।

- ICIMOD की हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिन्दुकुश - हिमालय क्षेत्र के लगभग 15% हिमनद पिघलने के कगार पर है।

- घटना के कारण -

a. तापमान वृद्धि।

b. पर्यटन आदि गतिविधियों के कारण दबाव बढ़ने, भौतिक संरचना निर्माण से पिघलने की गति में वृद्धि होना।

c. हिमस्खलन, वनोन्मूलन की घटनाएँ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हिमनद पिघलने का भारतीय उपमहाद्वीप पर प्रभाव -

a. गैस हाइड्रेट्स के विमुक्त होने से तापमान वृद्धि को और बढ़ावा।

b. इस क्षेत्र की नदियों में पानी की मात्रा में उतार-चढ़ाव में वृद्धि। फलतः मैदानी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ - कृषि, उद्योग दुष्प्रभावित होंगी।

c. जैव-विविधता ह्रास। जैसे - भालू, अल्पाइन वन को क्षति।

d. ऊपर से आने वाली ठंडी पवनों को रोक पाने में सामर्थ्य ह्रास से शीतलहर आदि प्रकोप बढ़ना।

e. ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड्स घटनाएँ बढ़ेंगी।

इसी कारण सरकार हिमालय, NAPCC के तहत हिमालय पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण व संवर्धन जैसी परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

8. आप 'धर्मनिरपेक्षता' और 'लैंगिक न्याय' के मापदंडों पर तीन तलाक विधेयक के पारित होने का परीक्षण किस प्रकार करते हैं? (150 शब्द) 10

How do you evaluate the passage of Triple Talaq Bill on the parameters of 'secularism' and 'gender justice'? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता धर्म-राज्य पृथक्करण के साथ धार्मिक कुरीतियों तथा रीति-नीतियों में सुधार हेतु राज्य हस्तक्षेप की अवधारणा पर केंद्रित है यथा अनुच्छेद ~~25~~ 25।

~~लैंगिक~~ लैंगिक न्याय

लिंग विभेद के आधार पर पहुँच व अवसर उपलब्धता निषेध / विभेद पर प्रतिबंध का प्रतीक है।

<u>तीन तलाक प्रथा निषेध कानून व उपरोक्त मानदंड</u>

i) धर्मनिरपेक्षता = a. मूल अवधारणा के अनुरूप।

b. वेद प्रकार के समाज को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तोड़ने में मदद मिलेगी।
c. धार्मिक कुरीतियों की समाप्ति धर्म को अधिक व्यावहारिक व प्रासंगिक बनाएगी।

(2) लैंगिक न्याय :- a. लिंग विभेद निषेध के संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप है (अनुच्छेद 15 आदि)।
b. महिलाओं को गरिमामय जीवन के अधिकार की प्राप्ति।
c. पुरुष सत्तात्मक सोच हतोत्साहित होगी।

सीमाएँ - a. राज्य का धर्म में हस्तक्षेप बढ़ना।
b. पहचान के संकट के कारण तीव्र विरोध की संभावना।

इन स्थिति में पर्याप्त विनियमन, शीघ्र, त्वरित व न्यायपूर्ण कार्यवाही उपरोक्त सीमाओं को दूर कर धर्मनिरपेक्षता व लैंगिक न्याय के मानदंडों को व्यावहारिक बना सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. पारंपरिक भारतीय समाज में ऐसी कौन-सी अक्षमताएँ थीं जिनका सामना महिलाओं को करना पड़ा? उनके निवारण हेतु आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What were some of the disabilities from which women suffered in traditional Indian society? Discuss the steps taken by the modern reform movements for their emancipation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पारंपरिक भारतीय समाज की पितृसत्तात्मक सोच, बंद प्रकार की प्रवृत्ति के कारण महिलाओं को अनेक अक्षमताओं का सामना करना पड़ा था-

a. सार्वजनिक जीवन में भूमिका ह्रास।

b. पुरुषों पर आर्थिक निर्भरता में वृद्धि।

c. महत्त्वपूर्ण निर्णयों में महिला भागीदारी अनुपस्थिता।

d. यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, संतानोत्पत्ति आदि विषयों पर महिला सहमति, विचार की द्वितीयक स्थिति।

e. महिलाओं की सीमित शिक्षा पहुँच।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this mar[gin])

f. संगठनात्मक विरोध क्षमता अनुपस्थित होना।
g. घरेलू हिंसा आदि में हिंसा के कृत्य ही न मानना।

आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदम-

a. दहेज, सती प्रथा आदि के निषेध हेतु कानून निर्मित किया जाना।
b. #MeToo आदि आंदोलनों द्वारा महिला शोषण, अत्याचार को संगठनात्मक अभिव्यक्ति मिलना।
c. राष्ट्रीय महिला आयोग, विभिन्न NGOs- सेवा, सहेली आदि द्वारा आर्थिक निर्भरता में कमी लाना।
d. महिला आरक्षण आंदोलन द्वारा सार्वजनिक क्रियाकलापों में महिला भागीदारी में वृद्धि।

साथ ही न्यायपालिका द्वारा तीन तलाक पर निर्णय, महिला स्वास्थ्य पर ध्यान आदि आंदोलनात्मक असमताओं को कम कर रहे हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

10. सांप्रदायिकता क्या है? क्या आप सहमत हैं कि सांप्रदायिकता की समस्या औपनिवेशिक शासकों की भारत को एक भेंट है? (150 शब्द) 10

What is communalism? Do you agree that the problem of communalism is a gift of colonial rulers to India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सांप्रदायिकता - विचारधारा; जो धर्म को ही किसी समूह की प्राथमिक पहचान मानती है, धर्म का राज्य में मिश्रण करती है, अन्य धर्मों के हितों को उस धर्म के हितों से पृथक् व विरोधी मानती है।

प्रकृति -

(i) हिंसा व घृणा की भावना।

(ii) असहिष्णुता का दृष्टिकोण।

(iii) अन्तर्निहित राजनैतिक व आर्थिक लक्ष्य।

(iv) वर्तमान में शस्त्रों का बढ़ता प्रयोग।

उदाहरण -

(i) सिख विरोधी दंगे (1984)

(ii) कश्मीर से हिन्दू पंडितों का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये। (Candidate must ... write on this mar...)

बोद्दमिन (1989)।

iiii) मुजफ्फरपुर दंगे (2013) आदि।

कारण -

i) औपनिवेशिक शासकों की भेंट -

a. इतिहास की औपनिवेशिक व्याख्या यथा - धार्मिक आधार पर विभाजन।

b. फूट डालो - राज करो की नीति जैसे सांप्रदायिक निर्वाचन प्रणाली।

c. मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति जैसे मुस्लिम लीग को प्रोत्साहन आदि।

iii) अन्य कारण -

a. आर्थिक अवसरों का असमान वितरण।

b. स्वार्थी राजनीतिज्ञों का द्वारा दुरुपयोग आदि।

इन्ही कारण सांप्रदायिकता धर्म, समाज के साथ ही राज्य-व्यवस्था के समक्ष एक महत्वपूर्ण संकट बन जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

11. ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योग के हितों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम प्राप्त हुए थे। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The results of subordination of the Indian economy to the interests of British trade and industry were many and varied. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत पर ब्रिटिश नियंत्रण का एक पक्ष आर्थिक गतिविधियों पर नियंत्रण था, जिसमें औपनिवेशिक हितों के अनुरूप अर्थव्यवस्था को संचालित किया जा रहा था।

यथा-

a. तैयार भारतीय माल पर उच्च निर्यात शुल्क, जबकि कच्चे माल के निर्यात पर न्यून शुल्क।

b. भारत में उपभोक्ता उद्योग की जगह पूंजीगत उद्योगों को प्राथमिकता प्रदान की।

c. विभेदात्मक संरक्षण नीति (1920's) का भी ब्रिटिश हितों की पूर्ति हेतु प्रयोग किया जाना। यथा अमेरिकी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व जापानी माल के विरुद्ध अधिक संरक्षण आदि।

परिणाम -

(1) आकस्मिक सकारात्मक सह-उत्पाद -

a. भारत में आधुनिक उद्योगों की शुरुआत। यथा - सीमेंट उद्योग (1901) आदि।

b. अधिनियमों द्वारा श्रम सुधार प्रयास। जैसे फैक्ट्री अधिनियम (1881, 1891) आदि।

(2) नकारात्मक -

a. कृषि संकट में वृद्धि। अर्थव्यवस्था का ग्रामीणीकरण तथा अकालों की विभीषिका में वृद्धि।

b. भारत से धन निर्गमन में वृद्धि।

c. अर्थव्यवस्था का विऔद्योगीकरण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

परंपरागत उद्योगों का ह्रास व आधुनिक उद्योगों का अति सीमित प्रसार।

d. पर्यावरणीय साम्राज्यवाद के कारण प्राकृतिक संसाधनों को व्यापक क्षति जैसे बाँध निर्माण।

e. भारत में पूँजी उपलब्धता में कमी।

f. श्रमिक वर्ग का शोषण।

g. भू-राजस्व नीतियों के कारण भूमि का कृषकों से गैर-कृषक वर्ग-महाजन की तरफ गमन।

h. देश में गरीबी व बेरोजगारी को बढ़ावा। फलतः कृषि पर निर्भरता में वृद्धि।

इनका परिणाम आर्थिक राष्ट्रवाद, विभिन्न संगठनों का निर्माण, स्वराज पर बल आदि में दृष्टिगोचर होता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. ऐसी कौन-सी परिस्थितियाँ थीं जिन्होंने 19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद के विकास में सहायता प्रदान की? साथ ही एक साम्राज्यवादी राष्ट्र के रूप में जापान के उद्भव पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the conditions that helped the growth of imperialism in the 19th century? Also discuss the evolution of Japan as an imperialist power. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साम्राज्यवाद - एक अवधारणा; जो पूँजी निवेश, कच्चेमाल प्राप्ति, बाजार स्थल तथा अपने विचार प्रसार के लिए अन्य क्षेत्रों पर अधिकार, नियंत्रण की आकांक्षा रखती है।

19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद के विकास में सहायक कारक -

(i) तीव्र औद्योगिकरण की प्रवृत्ति के कारण नए क्षेत्रों की माँग बढ़ना जैसे जर्मनी।

(ii) 1870-80 के आर्थिक संकटों के कारण बढ़ता आर्थिक संरक्षणवाद।

(iii) नए बुर्जुआ वर्ग द्वारा क्षेत्र प्रसार का समर्थन किया जाना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iv) शक्ति संतुलन की राजनीति जैसे जर्मनी - ब्रिटेन प्रतिस्पर्धा
(v) विचारधाराओं का प्रभाव यथा- श्वेत व्यक्तियों पर भार।
(vi) किसी सशक्त अंतर्राष्ट्रीय संस्था का अभाव।
(vii) शान्तिकाल व क्रांतिकाल में गुप्त सैनिक समझौतों की रणनीति जैसे बिस्मार्क।

जापान का साम्राज्यवादी शक्ति के रूप में उद्भव-

(i) मेइजी पुनर्स्थापना के पश्चात राष्ट्रवाद, सैन्यीकरण को गति मिली।
(ii) औद्योगिकरण हेतु कच्चे माल की प्राप्ति हेतु विस्तार का प्रमुख कारण बनी।
(iii) इसी क्रम में 1895 में चीन को पराजित कर ताइवान पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नियंत्रण स्थापित किया।

(iv) 1904-05 में रूस को पराजित कर सखालिन द्वीप, दक्षिणी मंचूरिया पर अधिकार।

(v) 1910 में कोरिया पर अधिकार।

(vi) 1931 में मंचूरिया में कठपुतली सरकार की स्थापना की।

(vii) साम्राज्यवादी हितों की पूर्ति हेतु 1937 में चीन पर आक्रमण, दक्षिण-पूर्व एशिया में नई एशियाई व्यवस्था निर्माण, विस्तारवाद आदि घटनाओं को अंजाम दिया।

वस्तुतः राष्ट्रीय हितों को ही प्राथमिकता, विकास हेतु दूसरे देशों के शोषण आदि कारकों ने जापानी साम्राज्यवाद को गति दी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. रूसी क्रांति के क्या कारण थे? साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the causes of the Russian Revolution? Also discuss the impact of the Russian Revolution on Indian National Movement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रूसी क्रांति एक एकाएक घटना न होकर विभिन्न क्रांतियों की शृंखला थी, जिसके अंतिम पड़ाव में साम्यवादी विचारों को प्रथम व्यावहारिक स्वीकृति प्राप्त हुई।

यथा - 1905 की क्रांति
फरवरी-मार्च क्रांति (1917)
अक्टूबर-नवंबर क्रांति (1917)

कारण -

(i) जार का निरंकुश शासन।
(ii) दोषपूर्ण शासन व्यवस्था।
(iii) कृषक दासता उन्मूलन के बावजूद कृषकों की शोचनीय दशा।
(iv) मजदूरों में व्यापक असंतोष।
(v) गैर रूसी लोगों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(vi) सामाजिक असमानता। प्रथा। विशेषाधिकारों की उपस्थिति।

(vii) प्रबुद्ध विचारकों की भूमिका जैसे टॉलस्टॉय आदि द्वारा शोषण का विरोध किया जाना।

(viii) अराजकतावादियों तथा निहिलवादियों द्वारा राज्य सत्ता का तीव्र विरोध किया जाना जैसे बाकुनिन आदि नेता।

(ix) लेनिन आदि नेताओं की भूमिका बोल्शेविक व मेन्शेविक दलों का योगदान।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति का प्रभाव।

(i) क्रांति द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति के मार्ग को बढ़ावा मिला।

(ii) रूसी क्रांति के सिद्धांतों के अनुरूप नई व्यवस्था निर्माण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this mar[gin])

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के प्रयास यथा - वर्ग संघर्ष को मान्यता, राज्य नियंत्रण आदि।

(iii) उग्र साम्यवादी दलों का उद्‌भव जैसे (CPI 1925)।

(iv) क्रांतिकारियों में समाजवादी तत्वों का समावेश जैसे भगतसिंह के विचार।

(v) INC के भीतर कांग्रेस समाजवादी दल का निर्माण (1934)।

(vi) आंदोलन के सामाजिक आधार में वृद्धि यथा श्रमिक सहभागिता वृद्धि।

(vii) कराची अधिवेशन आदि द्वारा मजदूर कल्याण, कृषक कल्याण के प्रयास किया जाना।

(viii) नकारात्मक - a. ब्रिटिश दमन में वृद्धि।

b. गाँधीजी के अहिंसा के विचारों से असमानता।

वस्तुतः रूसी क्रांति ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को नए लक्ष्य व नई दिशाएँ दीं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

14. भारत में हुई प्रमुख पर्यावरणीय गतिविधियों पर प्रकाश डालिये। इसके अतिरिक्त पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े आर्थिक और समरूपता संबंधी मुद्दों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Throw light on the major environmental movements witnessed in India. Also, discuss the economic and identity issues associated with environmental movements. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पर्यावरण आंदोलन पर्यावरणीय संरक्षण विचारधारा से प्रेरित अवधारणा है, जो बाजारी हस्तक्षेप, अंधाधुंध विकास का विरोध करती है।

भारत में प्रमुख पर्यावरण आंदोलन

(1) खेजड़ली आंदोलन : 17 2015 में जोधपुर (राजस्थान) में खेजड़ी वृक्षों की कटाई के विरुद्ध स्थानीय लोगों का विरोध।

(2) चिपको आंदोलन : 1973 में उत्तराखंड में सुंदरलाल बहुगुणा आदि के नेतृत्व में वृक्ष कटाई का विरोध।

(3) अप्पिको आंदोलन : कर्नाटक में 1980's में चिपको आंदोलन की तर्ज पर विरोध।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(4) साइलेंट वैली आंदोलन - केरल में 1980 में साइलेंट वैली क्षेत्र में बाँध निर्माण रोकने हेतु आंदोलन।

(5) नर्मदा बचाओ आंदोलन - मेधा पाटेकर व अन्य द्वारा नर्मदा पर बाँध निर्माण व पुनर्वास का मुद्दा उठाया जाना।

(6) पर्यावरण संरक्षण कानून निर्माण हेतु आंदोलन। जैसे पर्यावरण संरक्षण कानून, 1986; जैव-विविधता कानून, 2002।

पर्यावरणीय आंदोलन से जुड़े आर्थिक व पहचान संबंधी मुद्दे -

(i) पर्यावरण-विकास संघर्ष का उभरना। फलतः प्राथमिकता निर्धारण की समस्या।

(ii) कई बार NGO's द्वारा स्थानीय लोगों को भ्रमित कर विकासात्मक गतिविधियों को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

प्रभावित किए जाने का प्रयास किया जाना जैसे नीलगिरि मामला।

(iii) विकास के कारण विस्थापन से उत्पन्न सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान के समक्ष संकट का मुद्दा।

(iv) पर्यावरण की क्षति से होने वाले जैव-विविधता ह्रास, जलवायु परिवर्तन का मुद्दा।

(v) विकास के लाभों के असमान वितरण का मुद्दा।

(vi) पर्यावरण संरक्षण में स्थानीय लोगों को पर्याप्त महत्त्व न दिए जाने का मुद्दा जैसे- चेंचू व मालधारी जनजाति (मारिस्वमी माता) आदि।

(vii) पर्यावरणीय आंदोलनों का मात्र वृक्ष कटाई आदि मुद्दों तक सीमित रहना। प्रदूषण नियंत्रण आदि पर पहलों का अभाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ... हाशिये में नहीं ... चाहिये।
(Candidate mus... write on this ma...

drishti | दृष्टि The Vision

15. शिमला समझौते के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? क्या आप सहमत हैं कि इस समझौते ने भारत के लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया? (250 शब्द) 15

What are the key principles of Simla Agreement? Do you agree that this Agreement did not fully achieve India's objectives? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

बांग्लादेश की स्वतंत्रता के पश्चात हेतु लड़े गए भारत-पाक युद्ध (1971) के पश्चात शिमला समझौते (जून, 1972) द्वारा पुनः शांति बहाली के प्रयास किए गए।

शिमला समझौता - इंदिरा गांधी व जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच संपन्न।

प्रावधान -

(i) दोनों राष्ट्र युद्ध पूर्व सीमा क्षेत्र में पुनः लौट जाएँगे

(ii) मुद्दों का निपटान द्विपक्षीय रूप से किया जाएगा।

(iii) राजनीतिक, आर्थिक संबंधों को पुनः बहाल किया जाएगा।

(iv) वार्ता के माध्यम से समस्या

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि चाहिये।
(Candidate mus write on this ma

समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी।

(v) पीपुल टू पीपुल संबंधों को बढ़ावा जाएगा।

(vi) वीजा प्रणाली को सरल बनाया जाएगा।

समझौते द्वारा भारत के लक्ष्यों की प्राप्ति -

(i) 1971 के पश्चात कोई घोषित युद्ध न होना।

(ii) द्विपक्षीय रूप से वार्ता समाधान के ~~कारण~~ सिद्धांत के कारण महाशक्तियों के इस क्षेत्र में हस्तक्षेप की संभावना न्यून हुई।

(iii) भारत - USSR संबंध प्रगाढ़ हुए

(iv) समझौता एक्सप्रेस आदि पहलों का शुभारंभ।

सीमाएँ -

(i) युद्ध बंदियों की अदला - बदली पर समझौता नहीं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ii) 1999 में कारगिल युद्ध, 2001 में संसद पर हमला आदि घटनाएँ।

iii) सिंधु नदी जल विवाद, सरक्रीक विवाद आदि का समाधान न हो पाना।

iv) पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद प्रोत्साहन को रोकने पर विशिष्ट समझौता नहीं।

v) पाकिस्तान द्वारा मामले कश्मीर मुद्दे को बार-बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाकर द्विपक्षीय वार्ता द्वारा समाधान का उल्लंघन किया जाना।

यद्यपि सीमाओं के बावजूद शिमला समझौता तत्कालीन परिस्थितियों के अनुरूप था। जिसने शांति बहाली को गति प्रदान की। यद्यपि कई विवाद अभी भी ~~अन~~ अनसुलझे रह गए हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate mus
write on this m

16. भारत में मृदा अपरदन के कारणों की विवेचना कीजिये। भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव का परीक्षण करते हुए कुछ सुधारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

Discuss the causes of soil erosion in India. Examining its impact on Indian agriculture, suggest some remedial measures. (250 words) 15

मृदा अपरदन - मृदा की ऊपरी सतह का जल, वायु, हिम आदि कारकों द्वारा एक स्थान से हटकर दूसरे स्थान पर चले जाना; फलतः उर्वरता में ह्रास होना।

कारण -

i) वृक्ष कटाई, वनोन्मूलन के कारण मृदा के संगठित स्वरूप का ह्रास।

ii) हिमस्खलन, भूस्खलन के कारण मृदा अपरदन में वृद्धि।

iii) बाढ़, मेघ प्रस्फोट, चक्रवात की भूमिका।

iv) अनियोजित निर्माण गतिविधियों के कारण मृदा का कमजोर होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(v) कृषि में रसायनों का बढ़ता प्रयोग; अम्लीकरण की बढ़ती घटनाओं के कारण मृदा अपरदन में वृद्धि
(vi) सूखे जैसी घटनाओं के कारण भूमि व मृदा निम्नीकरण होना

कृषि पर प्रभाव :-

(i) कृषि उत्पादकता व उत्पादन पर दुष्प्रभाव।
(ii) मृदा उपजाऊपन बढ़ाने हेतु रसायन प्रयोग में वृद्धि फलतः कृषि लागत में वृद्धि।
(iii) रसायनों के बढ़ते प्रयोग से भूमि निम्नीकरण बढ़ना। मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव।
(iv) कृषिगत क्षेत्रफल में कमी आना।
(v) खाद्य व पोषण सुरक्षा संकट में वृद्धि।
(vi) मृदा अपरदन के कारण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार क
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate
write on thi

बागवानी, नर्सरी, मधुमक्खी पालन जैसी गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव। फलतः जोखिम स्तर का बढ़ जाना।

सुधारात्मक उपाय -

i) खेतों में मेड़ पर वृक्ष, बाड़बंदी द्वारा मृदा अपरदन को रोकना।

ii) ढलान वाले क्षेत्रों में सीढ़ीनुमा कृषि को बढ़ावा देना।

iii) मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी पहलों को प्रभावी बनाकर रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग को रोकना।

iv) खेत पर जल संग्रहण- छोटे तालाब आदि द्वारा जल बहाव गति को धीमा करना।

v) फसल अवशिष्टों को जलाने से हुए मृदा ह्रास को रोकने हेतु जैव ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना यथा- प्रोत्साहन राशि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इससे मृदा अपरदन को कम कर सतत विकास लक्ष्य प्राप्ति में मदद मिलेगी।

17. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक कौन-से हैं? भारत में सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के लिये उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

What are the various factors which affect location of industries? Highlight the factors responsible for location of cotton textile industry in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उद्योग सेवक प्राकृतिक गतिविधियों से प्राप्त कच्चे माल को मानव उपभोग योग्य वस्तुओं में परिवर्तित करने का कार्य करता है।

· अर्थव्यवस्था में यह द्वितीयक श्रेणी गतिविधि में शामिल किया जाता है।

उद्योग अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक -

i) जलवायु = क्षेत्र की तापमान, आर्द्रता संवेदी दशाएँ। जैसे वस्त्र उत्पादन उद्योग।

iii) कच्चा माल = भार ह्रासी व भारी कच्चा माल होने पर स्थानीयता को बढ़ाता। वहीं गैर भार ह्रासी कच्चा माल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on t

होने पर उद्योगों का विकेंद्रीकरण जैसे लौह उद्योग, सीमेंट उद्योग।

- सामान्यत: कच्चे माल की उपलब्धता वाले क्षेत्रों में उद्योगों का संकेंद्रण जैसे लौह उद्योग – लौह अयस्क व कोयला प्राप्ति स्थल – झारखंड, पश्चिम बंगाल में।

(iii) ऊर्जा उपलब्धता। जैसे जलशक्ति।

(iv) श्रम उपलब्धता।

(v) पूंजी की पर्याप्त उपलब्धता यथा बैंक दरों का प्रभाव।

(vi) सरकारी नीतियों का प्रभाव जैसे औद्योगिक प्रस्ताव व नीतियां, प्राथमिकता निर्धारण।

(vii) परिवहन सुविधाएँ, बाजार पहुंच स्तर आदि।

सूती वस्त्र उद्योग –

(i) प्रमुख केंद्र – अहमदाबाद, पुणे, कानपुर, कन्नौज, कोयंबटूर, मेरठ आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) सूती वस्त्र उद्योग अवस्थिति हेतु उत्तरदायी कारक -

a. धागों की कताई हेतु आवश्यक आर्द्रता की मात्रा फलतः अहमदाबाद - पुणे क्षेत्र में इस उद्योग की प्रधानता।

b. प्राकृतिक आर्द्रता न मिलने पर कृत्रिम ह्यूमिडिफायर का प्रयोग।

c. मुंबई क्षेत्र में ब्रिटिश काल से इस क्षेत्र में पूँजी निवेश, बंदरगाहों की उपस्थिति के कारण निर्यात सुविधा।

d. महाराष्ट्र-गुजरात क्षेत्र में कच्चे माल की उपलब्धता।

e. सस्ते श्रमिकों का उपलब्ध हो जाना।

f. नई तकनीकों, cluster based approach अपनाया जाना।

इसी कारण यह उद्योग कुल औद्योगिक क्षेत्र में 1/6 भाग का योगदान देता है तथा निर्यात की भी एक महत्वपूर्ण मद है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. भारत में बाल विवाह के प्रसार के क्या कारण हैं? इसके निहितार्थों पर चर्चा करते हुए इस प्रथा पर रोक लगाने के उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the reasons for prevalence of child marriages in India? While discussing its implications, also suggest measures to check this practice. (250 words) 15

उम्मीदवार
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate
write on thi

भारत में विभिन्न सामाजिक समस्याओं - जाति प्रथा, दहेज प्रथा आदि में बाल विवाह भी एक महत्वपूर्ण समस्या बन कर उभरा है।

स्थिति : NFHS-4 के अनुसार कुल विवाहित महिलाओं में से 1/3 का विवाह 18 वर्ष से कम उम्र में हुआ था।

प्रसार के कारण -

(i) बेटियों को अभी भी बोझ मानने की रूढ़िवादी सोच। - दहेज की समस्या।

(ii) शिक्षा व जागरूकता का न्यून स्तर।

(iii) महिला रोजगार अवसरों की सीमित उपलब्धता व पहुँच के कारण उनका आर्थिक सशक्तिकरण न हो पाना। फलतः

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इससे पर बढ़ती निर्भरता।
(iv) मौजूदा कानूनों का अप्रभावी क्रियान्वयन।
(v) बाल विवाह को पूर्व नियति मान स्वीकार कर लेने की मान्यता।
(vi) गरीबी, ~~बेरोजगारी~~ इसे कम करने का माध्यम बनाना (यथा - आर्थिक गतिविधियों में शीघ्र संलग्नता को बढ़ाना)

प्रभाव -
(i) जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा।
(ii) बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास दुष्प्रभावित होना फलतः पूँजी निर्माण व क्षमता निर्माण का ह्रास।
(iii) बाल श्रम जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहन।
(iv) लैंगिक न्याय पर दुष्प्रभाव यथा महिलाओं की निर्भरता का बढ़ना।
(v) महिला स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव। यथा- विभिन्न रोग, मातृ मृत्यु दर में वृद्धि होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार क
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate
write on thi

(vii) शिक्षा अवसरों तक पहुँच में बाधा उत्पन्न होना।

किए गए प्रयास -

(i) बाल विवाह उन्मूलन अधिनियम (2006) -

a. प्रत्येक राज्य में एक विशिष्ट अधिकारी की नियुक्ति तथा संस्थागत संरचना निर्माण।

b. उल्लंघन पर दंड का प्रावधान।

(ii) जनसंख्या नियंत्रण नीति (2000), परिवार कल्याण कार्यक्रमों में इस मुद्दे को शामिल किया जाना।

अन्य उपाय -

(i) शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा प्रसार।

(ii) कौशल विकास द्वारा रोजगार अवसरों तक पहुँच बढ़ाना।

(iii) मीडिया, NGOs, प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा जन जागरूकता प्रसार विचार परिवर्तन देना।

(iv) कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन।

इससे बाल विवाह जैसी प्रथाओं पर रोक लगेगी साथ ही गुणात्मक विकास लक्ष्य प्राप्त किये जा सकेंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. सुपरिष्कृत संवैधानिक तथा कानूनी उपायों के बावजूद भारत में आज भी अस्पृश्यता विद्यमान है। अस्पृश्यता उन्मूलन में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (250 शब्द) 15

Despite elaborate Constitutional and legal measures in place, untouchability continues to persist in India even today. What are the challenges faced in eradication of untouchability in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अस्पृश्यता एक सामाजिक समस्या है, जिसमें सामाजिक सांस्कृतिक सोपानबद्धता/जाति के आधार पर कुछ लोगों को समाज में रखकर उनके सामान्य सामाजिक मेलजोल, गतिविधियों में भागीदारी आदि पर प्रतिबंध लगा दिए जाते हैं।

किए गए उपाय-

(1) संवैधानिक - a. अस्पृश्यता व अन्य भेदभावों के उन्मूलन व निषेध संबंधी मूलाधिकार (अनुच्छेद 17)
b. अनुच्छेद 14 के तहत विधि के समक्ष समता का अधिकार
c अनुच्छेद 15, 16 में उल्लेख।

(2) कानूनी उपाय -
a. नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम (1956)।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidate
write on thi

b. अनुसूचित जाति व जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989।

c. शैक्षिक संस्थानों व सरकारी नौकरियों में आरक्षण।

अभी भी अस्पृश्यता विद्यमानता के कारण -

i) लोगों में मानसिकता परिवर्तन का अभाव।

ii) तथाकथित अस्पृश्य लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार अवसरों तक पहुंच की सीमाएँ। फलतः सामाजिक परिस्थिति स्वीकारने की बाध्यता।

iii) गैर मानवोचित प्रकार के कार्यों की विद्यमानता तथा उसमें लोगों की संलग्नता के कारण इस प्रकार के विचारों का बने रहना जैसे इनसे मैला ढोना आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) तथाकथित उच्च जाति लोगों का पूर्वाग्रह पूर्ण रवैया सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने की अवधारणा का हवाला दिया जाना।

iv) जटिल, महंगी व खर्चीली न्याय प्रणाली के कारण अपराधों का शीघ्र निपटान न हो पाना। फलतः अस्पृश्यता जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलना।

v) अस्पृश्यता को मात्र सामाजिक असमानता मान हल करने या अधिक बल्कि राजनीतिक, आर्थिक, शैक्षिक पक्षों पर अधिक बल न दिया जाना।

उपाय –

i) शिक्षा व्यवस्था में नैतिक मूल्यों का समावेशन कर मानसिकता परिवर्तन पर कार्य करना।

ii) लोगों के व्यवहार परिवर्तन हेतु अस्पृश्य लोगों का आर्थिक सशक्तीकरण। यथा – कौशल विकास।

iii) अन्तर्जातीय विवाहों को प्रोत्साहित करना।

iv) कानून ... दण्ड सुनिश्चित करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिये कौन-से विभिन्न कारक उत्तरदायी हैं? नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बहुआयामी प्रभावों की चर्चा कीजिये और उपचारात्मक उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the various factors responsible for drug abuse in India? Discuss the multidimensional impact of drug abuse and also suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार ... हाशिये में न... चाहिये। (Candidate ... write on thi...

देश में नशीली दवाओं का बढ़ता अवैध सेवन वर्तमान में एक सामाजिक समस्या के रूप में उभर रहा है।

दुरुपयोग के कारण -

(i) भारत के गोल्डन ट्रायएंगल व गोल्डन क्रिसेंट के बीच स्थित होने के कारण नशीली दवाओं की उपलब्धता बढ़ जाना

(ii) बढ़ती चिंता, कुंठा, भौतिकतावाद की प्रवृत्ति

(iii) सोशल मीडिया आदि में इस प्रकार के सेवन को उच्च स्टेटस जीवनशैली का प्रतीक बनाया जाना

(iv) नशीले पदार्थों के उत्पादन पर पर्याप्त विनियमन का अभाव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जैसे अफीम, मारिजुआना।

(v) कॉलेज, हॉस्टल में इनके सेवन के संबंध में मौजूद नीतियों का अप्रभावी व अपर्याप्त होना।

(vi) ई-सिगरेट जैसी वस्तुओं की ई-कॉमर्स पर आसानी से उपलब्धता।

(vii) औषधि विक्रेता दुकानों पर इनकी आसानी से उपलब्धता। फलतः रोगोपचार की बजाय दुरुपयोग बढ़ जाना।

प्रभाव -

(i) आर्थिक नुकसान, गरीबी के दुष्चक्र का और गहरा जाना।

(ii) मानव स्वास्थ्य को हानि। विभिन्न रोगों की उत्पत्ति जैसे कैंसर आदि।

(iii) नशे में महिलाओं, बच्चों के शोषण में वृद्धि से सामाजिक व्यवस्था पर दुष्प्रभाव।

(iv) नशे की लत पड़ने पर उसकी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidate
write on th

अनुपलब्धता की स्थिति में आतंकवादी संगठनों, औषधि तस्करों से संपर्क बढ़ाना फलतः हिंसक गतिविधियों में वृद्धि।
iv) नशीली दवाओं के उत्पादन का व्यापार व पर्यवेक्षण से बाहर होने के कारण राजस्व हानि, भ्रष्टाचार व कालेधन को बढ़ावा।

उपचार –

i) स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (1985), प्रसाधन और औषधि नियम (1940) आदि का प्रभावी क्रियान्वयन।
ii) नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, DRI आदि संस्थानों को मजबूत बनाना।
iii) UNCTOC, आदि वैश्विक प्रयासों के साथ संलग्नता बढ़ाना।
iv) मादक पदार्थ निवारण या राष्ट्रीय कार्ययोजना (2019-24) के अनुरूप कदम उठाना।
v) नशीली दवा उपलब्धता का विनियमन करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation